# गोपाल गोकुल वल्लभे प्रिय गोप गोसुत वल्लभं

गोपाल गोकुल वल्लभे प्रिय
गोप गोसुत वल्लभं
चरनरविन्दं अहं भजे
भजनीय सुरमुनि दुर्लभं

घन श्यामं काम अनेखा छभि
लोकाभि राम मनोहरं
किञ्चल्क वसन किशोर मूरति
भूरि गुण करुणाकरं

सिरकेकी पिञ्च विलोल कुण्डल
अरुण वनरुहा लोचनं
कुजव दंस विचित्र सब्
अङ्ग दातु भव भैय मोचनं

कच कुटिल सुन्दर तिलक ब्रु
राका मयङ्क समानानां
अपहरण तुलसि दास
त्रास बिहसा बृन्दा काननं

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/344/title/gopal-gokul-valbhe-priya-gop-gosut-valbham-tulsidas-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |